18.5.2016 पत्रावली वादी संख्या 1 से 3 मय वकील
वादीगण की ओर से प्रार्थना पत्र बाबत,
पत्रावली अन्य पेशी पर तलब करने बाबत
पर पेश हुई। प्रतिवादी संख्या 01 मय
वकील प्रतिवादी उपस्थित। [illegible] आज ही
अपनी राजीनामा मय सहमति प्रार्थना पत्र
पेश की गई। वकील वादीगण ने निवेदन
किया कि पक्षकारान के मध्य लोक
अदालत की भावना से प्रेरित होकर
राजीनामा हो गया है और राजीनामा
अनुसार भार बाधित भूमि प्रतिवादी
संख्या 1 व 2 को दी जा चुकी है
अब पक्षकारान के मध्य कोई वाद
विवाद नहीं है अतः वादी पक्ष

सहायक कलक्टर
(S.D.O.) बालोतरा

सराय [illegible]
[illegible] explained & cleared by me.

[illegible]

I D by me

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए
वादपत्र को आगे चलाना नहीं चाहते है अतः वादीगण का वाद खारिज ~~विड्रा~~ खारिज किया जावे।	
प्रतिवादी वकील ने निवेदन किया कि पक्षकारान के मध्य राजीनामा होने के कारण वाद पत्र विड्रॉल, खारिज किए जाने पर आपत्ति नहीं है।	
दोनों उभयपक्ष अधिवक्ताओं की बहस सुनी और बहस पर मनन पश्चात पाया कि पक्षकारान के मध्य लोक अदालत की भावना से प्रेरित होकर राजीनामा हो गया है ऐसी सूरत में विवाद का बिन्दु निहित नहीं रहा है। लिहाजा प्रस्तुत राजीनामा पर स्वीकार कर प्रकरण आज पेशी पर लिया जाकर वादीगण का वादपत्र इसी स्तर पर खारिज किया जाता है।	
पत्रावली फैसल शुमार होकर दाखिल दफ्तर हो।	
सहायक कलक्टर (S.D.O. बालोतरा	